Literacy for a Billion

Movie: Farz
Year: 1967

Song: Dekho Dekho Ji Socho Ji
Lyricist: Anand Bakshi

देखो देखो जी
सोचो जी कुछ समझो जी
बागों में फूलों के मेले हैं
फिर क्यों अकेले हैं
हम तुम हम तुम
हम तुम हम तुम

देखो देखो जी
सोचो जी कुछ समझो जी
बागों में फूलों के मेले हैं
फिर क्यों अकेले हैं
हम तुम हम तुम
हम तुम हम तुम

ऐसे रूठो ना हम से खुदा के लिए
ऐसे रूठो ना हम से खुदा के लिए
के हम है तैयार हर इक सजा के लिए
जो चाहे कह लो हमसे
सुन लो हमसे
आ...

देखो देखो जी
सोचो जी कुछ समझो जी
बागों में फूलों के मेले हैं
फिर क्यों अकेले हैं
हम तुम हम तुम
हम तुम हम तुम

हुस्न तो इश्क़ की दास्ताँ बन गया
जी इश्क़ ऐसे में क्यों बेज़ुबाँ बन गया
हाँ छोड़ो ना ही कह दो
कुछ तो बोलो
हाँ...आ...

देखो देखो जी
सोचो जी कुछ समझो जी
बागों में फूलों के मेले हैं
फिर क्यों अकेले हैं
हम तुम हम तुम
हम तुम हम तुम

मेहबूब हमारी तुम्हें क्या पता
मेहबूब हमारी तुम्हें क्या पता
की हर कली बन गई आज मेहबूबा
ऐसे में तुम भी हम को दिलबर कह दो
आ...

देखो देखो जी
सोचो जी कुछ समझो जी
बागों में फूलों के मेले हैं
फिर क्यों अकेले हैं
हम तुम हम तुम
हम तुम हम तुम

देखो देखो जी
सोचो जी कुछ समझो जी
बागों में फूलों के मेले हैं

फिर क्यों अकेले हैं
हम तुम हम तुम
हम तुम हम तुम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.